

SHIVITETI EXTRAORDINARY

MPR II—Tex 2—24-Tex (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्रापिकार से प्रकाशित PURLISHED BY AUTHORITY

चं 261] वर्ष विस्ती, सुकवार, मई 29, 1987/वंशाय 8, 1909 No. 261] NEW DELHL FRIDAY, MAY 29, 1987/VAISAKHA 8, 1909

इस भाग में भिना पूळा संबंधा की जाती है जिससे कि यह असण संकलन को कप में पंचा का सके ।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

गृह मंत्रासय

मई बिल्ली; 29 मई; 1987

अधिसूचना

का. बा. 538 (अ):--राष्ट्रपति, संविधान के बनुष्किय 239 के खंड (1) के अनुसरण में, निदेश देते हैं कि ऐसी किसी शक्ति या कर्तव्य का, आसंक-बादी और विध्वंसकारी कियाकबाप (निवारण) अध्यादेश 1987 (1987 का अध्यादेश सं. 2) द्वारा या उसके अधीन श्रीए गए किसी नियम द्वारा, राज्य सरकार को प्रदस्त या उस पर अधिरोपित किया जाता है, राष्ट्रपति के नियंत्रण के अधीन रहते हुए, किसी संघ राज्य क्षेत्र के प्रणासक द्वारा (चाहे वह उप-राज्यपास के नाम से ज्ञात है या मुख्य आयुक्त या प्रणासक के नाम से जात है या मुख्य आयुक्त या प्रणासक के नाम से जात है) संबंधित संघ राज्य क्षेत्र की बाबत प्रयोग और निवंहन किया जाएगा।

[एक, सं. 6/5/87-विधिक सण्ड] सी. टी. बेंजीमिन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 29th May, 1987

NOTIFICATION

S.O. 538(E).—In pursuance of clause (1) of article 239 of the Constitution, the President hereby directs that, subject to his control, any power or duty which by the Terrorist and Disruptive Activities (Prevention) Ordinance 1987 (Ordinance 2 of 1987) or by any rule made thereunder is conferred or imposed on the State Government shall be exercised and discharged by the Administrator of a Union territory (whether called a Lieutenant-Governor or a Chief Commissioner or an Administrator) in relation to the Union territory concerned.

[F. No. 6|5|87-Legal Cell] C. T. BENJAMIN, Jt. Secy.